स्वामी विवेकानंद करते थे पूरे विश्व की चिंताः प्रो. सोलंकी 16.01.2017

झोझू कलां में आयोजित सूर्य नमस्कार समारोह में बोले महामहिम राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी

चरखी दादरी,16 जनवरी। जिस प्रकार का सशक्त भारत हम बनाना चाहते हैं, वह स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को आत्मसात करके ही संभव है। वे न सिर्फ शारीरिक रूप से सशक्त बल्कि उनका अंतःकरण भी विशाल था। वे देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की चिंता करते थे। उन्होंने वर्ष 1893 में अमेरिका की धरती पर जाकर शांति और सौहार्द का संदेश दिया।

ये उद्गार महामहिम राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने आज झोझू कलां गांव स्थित स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय युवा प्रतिभा सम्मान एवं सामूहिक सूर्य नमस्कार व ध्यान साधना समारोह में बतौर मुख्यतिथि संबोधित करते हुए प्रकट किए। यह समारोह परिर्वतन फाऊंडेशन चरखी दादरी व ग्राम पंचायत झोझू कलां के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर मनाए जा रहे राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अवसर पर आयोजित किया गया।

महामहिम ने कहा कि चरखी दादरी नया जिला बना है और इसके बनते ही फाऊंडेशन द्वारा इतने बड़े स्तर पर इस समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जो काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि 12 जनवरी 1863 में स्वामी विवेकानंद का जन्म हुआ। इस महानुभूति की याद में संपूर्ण देश राष्ट्रीय युवा सप्ताह मना रहा है। उन्होंने कहा कि अगर युवाओं में जागृति आएगी तो परिवार जागृत होगा। परिवार के जागृत होने पर समाज व पूरा देश जागृत होगा। उन्होंने कहा कि सशक्त भारत के निर्माण के लिए स्वामी विवेकानंद की जीवन शैली का अनुशरण करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन फाऊंडेशन द्वारा समाज में परिवर्तन लाने के लिए जो यह प्रयास किया गया है, उसके लिए मैं उनको अपनी शुभकामनांए देता हूं। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार समारोह से देश व समाज को एकता का संदेश जाएगा, जो सभ्य एवं समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए सबसे जरूरी है।

इस अवसर पर गुरुकुल झज्जर के छात्रों द्वारा प्राचीन मलखंभ कला का प्रदर्शन किया गया, जिसमें बच्चों ने मलखंभ के उपर पश्चिमोतान व शीर्षान सहित कई आसनों का प्रदर्शन किया गया।

समारोह में विभिन्न स्कूली बच्चों ने सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार किया। महामहिम महोदय ने इस अवसर पर स्टेडियम परिसर में त्रिवेणी लगाई तथा यज्ञ में पूर्णाहुति डाली। उन्होंने पर्यावरणविद् डॉ. आरएन यादव द्वारा लिखित पुस्तक पर्यावरण संजीवनी का भी विमोचन किया। इस अवसर पर युवा वर्ग में परिवर्तन लाने की दिशा में अथक कार्य करने के लिए रिंपी फौगाट, सतेंद्र सत्यवान, विकास कलकल, संजय शर्मा, विक्रम डाला, नरेश झोझूकंला, बिशन सिंह आर्य, मास्टर नरेश बलाली, श्यामसुंदर शर्मा तथा वेदप्रकाश गोठड़ा को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्रीराम पब्लिक स्कूल विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुनील गुलाटी, उपायुक्त पंकज, पुलिस अधीक्षक सुनील दलाल, एसडीएम बिजेंद्र हुड्डा, परिवर्तन फाऊंडेशन के अध्यक्ष राजेश सांगवान, सरपंच दलबीर गांधी, कुश्ती में देश का नाम विश्व में रोशन करने गीता व बबीता के पिता महाबीर फौगाट, माऊंट एवरेस्ट को फतह करने वाली डॉ. संतोष यादव, महंत चरणदास, जयहिंद मंच के अध्यक्ष सुरेश कौशिक, नवीन जयहिंद, डॉ. मदन मानव, गुरुग्राम रेडक्रास सचिव श्याम सुंदर शर्मा तथा अन्य अधिकारी, कर्मचारी, स्कूली छात्र-छात्राएं तथा आसपास गांवों के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।